**Hariyali Teej Festival Celebrated**

**06-08-2024**

On August 6, 2024, Babu Anant Ram Janta College, Kaul, celebrated the vibrant festival of Hariyali Teej under the inspiration of the honorable President of the Management Committee, Choudhary Tejveer Singh, and the guidance of Principal Dr. Rishipal, with the support of the Women's Cell.

During the event, Principal Dr. Rishipal highlighted the significance of Teej, explaining that it is celebrated on the third day of the month of Sawan. He connected the festival with the divine union of Lord Shiva and Goddess Parvati, stating that Teej has held importance since the beginning of creation. On this day, women observe a fast for the long life of their husbands, adorn themselves with 16 embellishments (Solah Shringar), and enjoy swinging on swings in gardens. Sweet dishes are prepared at home, and just as nature dances with joy during the monsoon season, people come together to celebrate this festival with great enthusiasm.

Staff Secretary Dr. Radhika Khanna extended her heartfelt wishes to all staff members and students for Teej and contributed actively to the success of the event. The coordinator of the Women's Cell, Dr. Pushpa, encouraged all students to participate in the festivities. The students added a special charm to the celebration by participating in the Mehendi competition.

Afterward, everyone came together to swing in the college garden while singing traditional folk songs, celebrating the festival with immense joy and energy. The entire teaching staff, non-teaching staff, and students were present to make this occasion memorable.

बाबू अनन्त राम जनता महाविद्यालय कौल में धूमधाम से मनाया तीज का त्यौहार : डॉ ऋषिपाल



निसिंग, 6 अगस्त (जोगिंद्र सिंह) : बाबू अनन्त राम जनता महाविद्यालय कौल में प्रबंधन समिति के प्रधान चौ तेजवीर सिंह की प्रेरणा और प्राचार्य डॉ ऋषिपाल के निर्देशन में महिला प्रकोष्ठ के सहयोग से हरियाली तीज उत्सव का आयोजन किया गया। डॉ ऋषिपाल ने तीज के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हरियाली तीज का त्योहार सावन महीने की तृतीया को मनाया जाता है। उन्होंने इस उत्सव का सम्बंध भगवान शिव और पार्वती से जोड़ते हुए बताया कि सृष्टि के आरंभ से ही तीज महोत्सव का महत्व है। इस दिन महिलाएँ अपने पति की लंबी आयु के लिए व्रत रखती हैं और 16 श्रृंगार करके उद्यानों में झूला झूलती हैं। घर में मीठे पकवान बनाए जाते हैं और जिस प्रकार प्रकृति वर्षा ऋतु में झूम उठती है, वैसे ही जनमानस हर्षोल्लास के साथ मिलकर इस उत्सव का आनंद उठाते हैं। स्टॉफ सेक्रेटरी डॉ. राधिका खन्ना ने सभी स्टाफ सदस्यों और छात्र छात्राओं को तीज की शुभकामनाएं देते हुए इस कार्यक्रम में अपना सक्रिय सहयोग प्रदान किया। महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका डॉ. पुष्पा ने सभी छात्र छात्राओं को कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। छात्राओं ने भी मेहंदी प्रतियोगिता में भाग ले कर कार्यक्रम की शोभा में चार चांद लगा दिए। तदुपरांत सबने मिलकर महाविद्यालय परिसर में झूला झूलकर लोकगीतों के साथ इस उत्सव को उत्साहपूर्वक मनाया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षकगण, गैर शिक्षकवर्ग एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रही।